Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 09-12-2005

Participants : Ahir Shri Hansraj Gangaram

>

Title : Regarding spread of a deadly disease in Central Asia.

श्री हंसराज जी.अहीर (चन्द्रपुर) : सभापति जी मैं मध्य भारत में जहां पर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराट्र के ि वदर्भ, गडचिरोली और चंद्रपुर क्षेत्र में सिकलसेल नामक बिमारी बहुत बड़े पैमाने पर, ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में फैली हुई है। इस बीमारी के मरीज को 15 दिन या एक महीने में खून बदलवाना पड़ता है। गरीब तबके में यह बीमारी होने की वजह से सैंकड़ों बच्चे मौत के मुंह में चले जाते हैं। आपके माध्यम से मैं माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी को यह बताना चाहूंगा कि जितनी गंभीरता से हम कैंसर को लेते हैं उतनी गंभीरता से इस बीमारी को नहीं लिया जा रहा है। लेकिन यह कैंसर से भी ज्यादा गंभीर बीमारी है। जो बच्चे इस बीमारी से ग्रस्त होते हैं उनकी उम्र कम हो जाती है और वे पूरी उम्र तक जी नहीं सकते हैं। थैलीसीमिया की तरह यह भी खून की बीमारी है। केन्द्र सरकार ने थैलीसीमिया के मरीज के लिए अनेक प्रकार की सुविधाएं प्रदान की हैं जिनमें रेलवे के प्रवास में उन्हें सुविधा प्रदान की जाती है, लेकिन इस बीमारी के मरीज को कोई सुविधा नहीं दी गयी है।

यह बीमारी विशेा रूप से मध्य भारत के आदिवासी क्षेत्रों में और गरीब तबके के लोगों में ज्यादा है। इस बीमारी की जानकारी न होने की वजह से इसकी रोकथाम का प्रयास आज तक नहीं हुआ है। माता-पिता की ब्लड रिपोर्ट ए एस होने के कारण इस बीमारी के बच्चे पैदा होते हैं। बीमारी की जांच की सुविधा अगर बीमारी-ग्रस्त क्षेत्रों में हो जाए तो जो बच्चे सिकलसेल बीमारी से त्रस्त पैदा होते हैं उनमें कमी लाकर इस बीमारी पर रोक लगाई जा सकती है। इस बीमारी से ग्रस्त रोगी को महीने में एक बार या दो बार खून बदलवाने की जरुरत होती है और गांव में रहने वाले मरीज को ब्लड नहीं मिल पाता है, गांव में ब्लड देने की सुविधा नहीं होती है। इस बीमारी के लिए फौलिक-एसिड, पैन्सिलीन, हाईड्रोक्सी-यूरिया और केलफर दवाइयां हैं। इनमें कुछ गोलियां तो महंगी होती हैं और कुछ सस्ती होती हैं। मेरी मांग है कि इन दवाइयों की उपलब्धता इन मरीजों के लिए मुफ्त में पीएचसी या आरएच पर होनी चाहिए। माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी, आपसे विनती है कि जिस तरह से थैलीसीमिया के मरीज को सुविधाएं मिलती हैं उसी तरह से इस बीमारी से ग्रस्त मरीजों को भी सुविधाएं मिलनी चाहिए।